विश्व आत्मकेंद्रित (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस रिपोर्ट

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के विशिष्ट शिक्षा विभाग द्वारा 2 अप्रैल 2018 को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन हल्द्वानी क्षेत्र में दिव्यांग बच्चों के माता-पिता द्वारा संचालित संस्थान रोशनी सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर, हल्द्वानी में किया गया| विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों से सम्बंधित भ्रांतियों का निराकरण एवं अभिभावकों को ऑटिज्म के प्रति जागरूक करना था| कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. नागेश्वर राव द्वारा रोशनी सोसाइटी में अध्ययनरत ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया| कार्यक्रम में आये अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत विशिष्ट शिक्षा विभाग की सदस्या डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा किया गया| मुख्य वक्ता एवं ऑटिज्म एक्सपर्ट श्रीमती विनीता वर्मा ने ऑटिज्म के कारण व इसके प्रकार और निराकरण के विषय में बताया|उन्होंने बताया संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा द्वारा 2 अप्रैल को विश्व आत्मकेंद्रित (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस का दिवस निश्चित किया गया है|इस दिवस के दिन नीले रंग को इसके प्रतीक के रूप में मान्यता प्रदान की गयी|

विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. नागेश्वर राव द्वारा अपने उद्बोधन में ऑटिज्म के प्रति अभिभावकों को और जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया| अभिभावकों के प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमति प्राप्त होने पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय नवीन सत्र से बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) के पाठ्यक्रम के सञ्चालन की बात कही| साथ ही बच्चों द्वारा दी गयी प्रस्तुतियों की सराहना की गयी| कुलसचिव प्रो. आर.सी.मिश्र ने बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए इस प्रकार के दिवस की

जानकारी सबको मिले इसके लिए बड़े स्तर पर इस दिवस को मनाने पर बल दिया| शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल द्वारा अपने उद्बोधन में ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की देख रेख एवं शिक्षा को लेकर समाज में और जागरूकता लाने पर बल दिया| अभिभावकों गोविन्द मेहरा एवं ललित शाह द्वारा ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों के पालन पोषण एवं उनकी शिक्षा के सम्बन्ध में आने वाली समस्याओं एवं उनके निराकरण के सम्बन्ध में सुझाव दिए|

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. नागेश्वर राव, कुलसचिव प्रो. आर.सी.मिश्र एवं निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल द्वारा रोशनी सोसाइटी के बच्चों को उनके विद्यालय का नवीन सत्र प्रारंभ होने एवं प्रवेशोत्सव के उपलक्ष्य पर नए स्कूल बैग एवं पुस्तके वितरित की गयी| कार्यक्रम में ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी जिसमे अदित्य एवं आभास द्वारा स्वागत गीत पर नृत्य, ऋचा द्वारा गायन एवं अन्य बच्चों द्वारा समूह गायन की प्रस्तुति दी गयी| श्रीमती आभा गर्खाल द्वारा माँ एवं पुत्र के स्नेह के ऊपर एक कविता पाठ किया गया|

रोशनी सोसाइटी की चेयरमेन श्रीमती शिवानी पाल द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा किये गए प्रयासों का आभार प्रकट किया गया| कार्यक्रम का सञ्चालन विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा किया गया| कार्यक्रम में कैलाश जोशी, डॉ राजेन्द्र कैडा, योगेश गुरुरानी, पंकज, राजेश आर्य, पूजा जुयाल, सुनीता भट्ट समेत ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे एवं उनके अभिभावक सहित विश्वविद्यालय के सदस्य उपस्थित रहे|

अमर उजाला

यूओयू में मना विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम हुआ।

दिव्यांग बच्चों के माता-पिता की ओर से संचालित संस्थान रोशनी सोसाइटी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में अभिभावकों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. नागेश्वर राव और रोशनी सोसाइटी के सदस्यों ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य वक्ता विनीता वर्मा ने ऑटिज्म के कारण और इसके प्रकार एवं निराकरण के बारे में बताया। ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए, जिसमें आदित्य और आभास ने नृत्य, ऋचा की ओर से गीत प्रस्तुति किया गया। कुल सचिव प्रो. आरसी मिश्र ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने किया। ब्यूरो

ऑटिज्म जागरूकता के लिए उमुविवि में आयोजन

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर आयोजन हुआ। रोशनी सोसाइटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों के बारे में अभिभावकों को अवगत कराना था। तमाम भ्रांतियों को दूर करने के बारे में जानकारी दी गई। इसका उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि समाज में जागरूकता के जरिये ही बदलाव लाया जा सकता है। ऑटिज्म एक्सपर्ट विनीता वर्मा ने ऑटिज्म के कारण व इसके प्रकार और निराकरण के विषय में बताया। इन बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्र ने बच्चों के व्यक्तित्व विकास की जानकारी दी। संचालन विशिष्ट विभाग के समन्वयक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

यूओयू में मनाया गया विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विवि ने विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम किया। हल्द्वानी में दिव्यांग बच्चों के माता-पिता द्वारा संचालित रोशनी सोसायटी ने इसमें सहयोग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य ऑटिज्म पीड़ित बच्चों से संबंधित भ्रांतियों का निराकरण, अभिभावकों को ऑटिज्म के प्रति जागरूक करना था।

उद्घाटन यूओयू के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव और रोशनी सोसायटी के सदस्यों ने संयुक्त रूप से किया। ऑटिज्म विशेषज्ञ विनीता वर्मा ने ऑटिज्म के कारण, प्रकार और निराकरण के विषय में बताया। ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसमें अदित्य एवं आभास ने स्वागत गीत पर नृत्य किया। संचालन शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने किया।